

SÉOOME .LVIII.

É BIÉN ? JUJÉ- VXS |jus|te|man|t an| vô|tre| kxr
Se|lon| le| droæt, ô| Fîs| d'A|dam ?

Plu|tô|t, a|fû|tant| dan-| le| ker| mé|chan|se|tés,
Sur|têr|re| fê|te| z ò| re|bxs.

5 X|trā|j' é| foor|fêt| kon|tre| rê|zon| v̄s-| pe|zés
De| vô|tre| méi|n ò| poēs| du| droæt.

Il| sont| de|boor| des| lê-| ma| lei|rês,| dês| le| tans
Ke| hoors| du| van| tr' i| son|t i|sus.

Il| sont| de|boor| chés,| dês| lă| mā| tri|s' an| kli|nés

10 T̄s|j̄r|s ă| par|lér| foos|se|tê.

Êin|sin| ke| sêr|pan|s ont| de|dan| z es| t̄t| ve|nin,
Êin|sin| ke| l'as|pik| s̄r|d é| kôot,

L'o|rê|te| b̄|chant| p̄r| n'̄ir| le| char|me| foort,
Ke| chan|te| l'an|chan|ter| sa|vant.

15 Ô|Die|fra|kas|sant| dan-| la| b̄|ch' a| sê-| mé|chans
Lê-| dan|s é|kū|ēs,| broēi|e-|lēs.

A| sēs| li|ön|seos,| krook|k é| me|liê|r' ar|ra|chant,
De|ron| la| mā|choe|r', ô| Si|nger.

Ko|m' eo| se| fon|de|t ẽ|k̄|lê|s . Ar|k an|te|zê

20 É|fle|che|lêr| fa|t' an| la| méin.

An|riên| se| p̄r|de|lêr|vi|ker,| ko|m' ò| li|maš
Ki| dans| sa| koo|kè| mert| sé|ché.

Sôet|fêš| l'a|voor|ton| d'ū|ne| mé|r' a|vant| le| tans,
P̄r| plus| ne| v̄er| le| beo|s̄|lê.

25 Da|vant| ke| vô|tr' é|pī|ne| fas|s' un| foor|t ha|liêr
Pre|nan|t u|re|s a| kroēs|se|mant,

T̄s|vī|s é|sar|tés| par|fu|rêr| s̄|dêin| s̄|dêin
Un|t̄r|bi|ton| v̄s-| rā|kle|t̄s.

Le|bon,| jo|ies| van|jê|se| v̄e|ra :| bēi|je|ra

30 Sê-|plan|te|z ò| san|k| d̄e-| mé|chans.

A|loors| de|têl|fêt| lê|z u|mēins| t̄|chés| di|ront :
Sêr|tēi|ne|mant| t̄|j̄rs| le| Bon

Ra|pør|te|son|fruit. |Die|se|lon|droet|vø|re|mant|
Die|sur|la|tē|re|jū|je|tøt.